एम.एच.डी.-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

00071

एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. 'गोदान' में राष्ट्रीय आंदोलन किस रूप में चित्रित हुआ है ? क्या इसमें राष्ट्रीय आंदोलन और भावी भारत के प्रति प्रेमचंद का कोई नज़रिया सामने आता है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

'गोदान' और 'धरती धन न अपना' में चित्रित दलित जीवन की तुलना कीजिए ।

2. 'सूखा बरगद' में दो पीढ़ियों के बीच मूल्यगत टकराव की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है । चर्चा कीजिए । *20*

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए ।

3. 'ठाकुर का कुआँ' के कथ्य और शिल्प की खासियत बताइए । 20

अथवा

'पाज़ेब' में वर्णित संवेदना और शिल्प का आकलन कीजिए ।

4. 'पिता' कहानी को केंद्र में रखते हुए 'साठोत्तरी कहानी' की विशेषताएँ बताइए । 20

अथवा

'त्रिशंकु' में स्त्री के किस पक्ष पर विचार किया गया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

(क) 'सिक्का बदल गया' का प्रतिपाद्य

(ख) 'भोलाराम का जीव' में व्यंग्य

(ग) 'गोदान' का होरी

(घ) दलित स्त्री अस्मिता